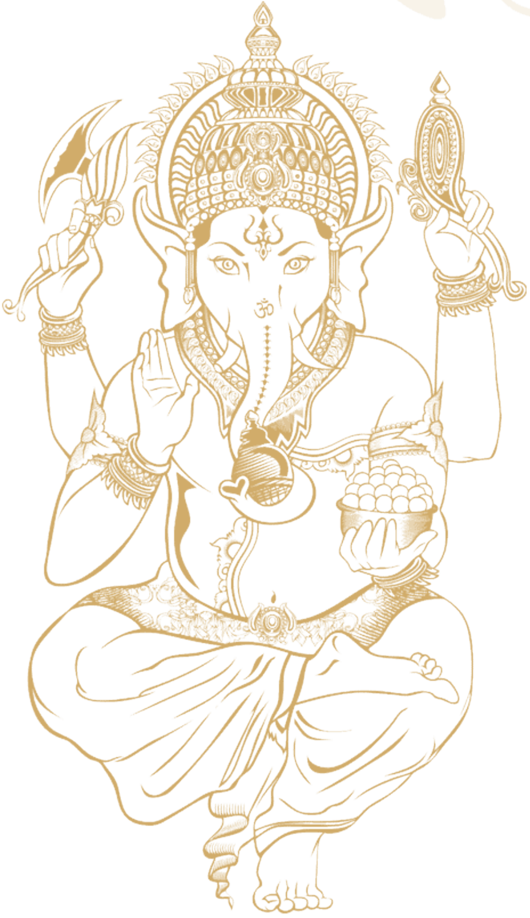

17 Sep 1962

06:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121157202

लिंग : पुल्लिंग
जन्म तिथि : 17/09/1962
दिन : सोमवार
जन्म समय : 06:10:00 घंटे
इष्ट : 00:08:06 घटी
स्थान : Delhi
देश : India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:05:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:30:47 घंटे
सूर्योदय	06:06:45 घंटे
सूर्यास्त	18:24:27 घंटे
दिनमान	12:17:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:19:09 कन्या
लग्न के अंश	00:13:46 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:13:46	317:47:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कन्या	00:19:09	00:58:31	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			मेष	10:48:14	14:51:35	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	22:32:20	00:35:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	26:03:48	00:37:28	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	12:17:01	00:07:08	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	15:40:00	00:50:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	11:50:54	00:02:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	स्वराशि
राहु	व		कर्क	14:38:20	00:06:27	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	14:38:20	00:06:27	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	09:00:49	00:03:34	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
नेप			तुला	18:11:11	00:01:38	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			सिंह	17:01:15	00:02:02	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	29:57:24	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:56

लग्न-चलित

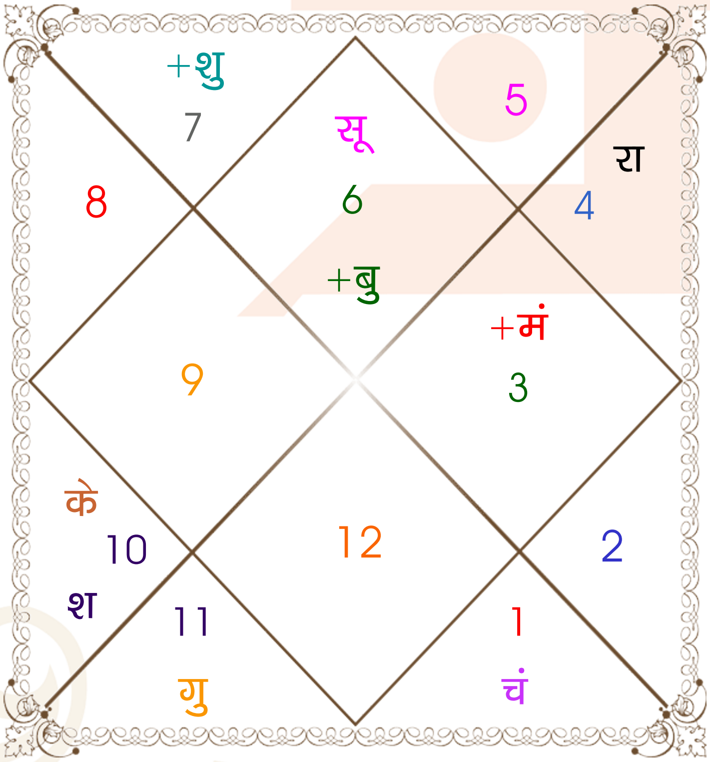

चन्द्र कुंडली

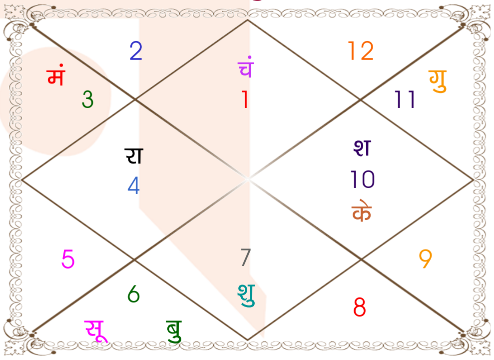

नवमांश कुंडली

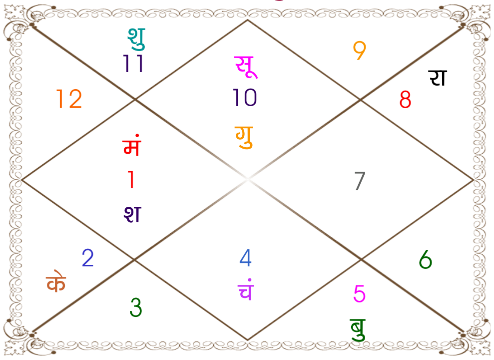

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 3 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/09/1962		15/01/1964		15/01/1984		14/01/1990		15/01/2000	
15/01/1964		15/01/1984		14/01/1990		15/01/2000		15/01/2007	
	00/00/0000	शुक्र	16/05/1967	सूर्य	03/05/1984	चंद्र	15/11/1990	मंगल	12/06/2000
	00/00/0000	सूर्य	16/05/1968	चंद्र	02/11/1984	मंगल	16/06/1991	राहु	30/06/2001
	00/00/0000	चंद्र	14/01/1970	मंगल	10/03/1985	राहु	15/12/1992	गुरु	06/06/2002
	00/00/0000	मंगल	16/03/1971	राहु	02/02/1986	गुरु	16/04/1994	शनि	16/07/2003
	00/00/0000	राहु	16/03/1974	गुरु	21/11/1986	शनि	15/11/1995	बुध	12/07/2004
	00/00/0000	गुरु	14/11/1976	शनि	03/11/1987	बुध	15/04/1997	केतु	09/12/2004
	17/09/1962	शनि	15/01/1980	बुध	08/09/1988	केतु	14/11/1997	शुक्र	08/02/2006
शनि	18/01/1963	बुध	15/11/1982	केतु	14/01/1989	शुक्र	16/07/1999	सूर्य	15/06/2006
बुध	15/01/1964	केतु	15/01/1984	शुक्र	14/01/1990	सूर्य	15/01/2000	चंद्र	15/01/2007

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/01/2007		14/01/2025		14/01/2041		15/01/2060		14/01/2077	
14/01/2025		14/01/2041		15/01/2060		14/01/2077		00/00/0000	
राहु	27/09/2009	गुरु	04/03/2027	शनि	18/01/2044	बुध	12/06/2062	केतु	12/06/2077
गुरु	20/02/2012	शनि	15/09/2029	बुध	27/09/2046	केतु	10/06/2063	शुक्र	12/08/2078
शनि	27/12/2014	बुध	21/12/2031	केतु	06/11/2047	शुक्र	10/04/2066	सूर्य	18/12/2078
बुध	16/07/2017	केतु	26/11/2032	शुक्र	05/01/2051	सूर्य	14/02/2067	चंद्र	19/07/2079
केतु	03/08/2018	शुक्र	28/07/2035	सूर्य	18/12/2051	चंद्र	15/07/2068	मंगल	15/12/2079
शुक्र	03/08/2021	सूर्य	16/05/2036	चंद्र	19/07/2053	मंगल	13/07/2069	राहु	02/01/2081
सूर्य	28/06/2022	चंद्र	15/09/2037	मंगल	28/08/2054	राहु	30/01/2072	गुरु	09/12/2081
चंद्र	28/12/2023	मंगल	21/08/2038	राहु	03/07/2057	गुरु	07/05/2074	शनि	17/09/2082
मंगल	14/01/2025	राहु	14/01/2041	गुरु	15/01/2060	शनि	14/01/2077		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरुष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।